sections of the society. Article 335 deals with the claims of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes to services and posts.

I am happy to see the hon. Minister from our State, the hon. Minister of Surface Transport, here. I would like to bring this to his notice. This is concerning appointment of Government Standing Counsels. There are 45 vacancies of Government Standing Councils. Since the DMK Government came to power in our State, no opportunity has been provided to the Scheduled Caste and Scheduled Tribe advocates. I would request the Minister to take it up with his Government there.

I would like to point out, in thjs connection, that one Scheduled Caste advocate has filed a writ petition before the Madras High Court. The reply which was given by the Advocate-General was that this was apolitical appointment and that, therefore they were not giving any opportunity to the Scheduled Caste and Scheduled Tribe advocates.

I would request the Chair to give a direction to the Law Minister to take necessary steps for the appointment of Additional Government Pleaders in the Madras High Court from among the Scheduled Caste and Scheduled Tribe advocates.

Sir, as far as Tamil Nadu is concerned, last week, the Secretary for Adi Dravidar Welfare, Mr. R. Christodas Gandhi, met the press. It was found that several departments of the Government had ignored the order in regard to filling up of SCST posts. It was found that in Group A, 73 posts reserved for Scheduled Cas tes and Scheduled Tribes were remaining vacant for the past six months. In Group B, the backlog was 643 post in 42 depart ments. These are also remaining vacant for the past six months.

The record of the universities and colleges in this regard is no better. According to the review report, the Madras University has appointed only 19 teaching employees, as against the total strength of 327.

As per the report which was given to the Secretary for Adi Dravidar Welfare, Mr. R. Christodas Gandhi, there were more than 5000 posts vacant in different departments of the Tamil Nadu Government. Therefore, I would request the State Government to take necessary steps in this regard.

Sir, as you know, the area of employment offices and appointments under the State is controlled by article 16 alone and preference within this area must be within the scope of article 16(4). This include judicial officers as well as administrative posts, but not elective offices. Article 16(4) covers not only preference at the time of initial recruitment to Government services, but also preference at the time of promotion within the services.

I would request the Chair to give a direction to the Government to take necessary steps for filling up the vacant SC/ST posts in different departments of the Tamil Nadu Government. I would also request that while filling up the vacant posts of Government Standing Counsels in the Madras High Court, opportunity should be given to the Scheduled Caste and Scheduled Tribes advocates.

SHRI GOVINDRAM MIRI (Madhya Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, I associate myself with the demand made by my learned friend. I wound urge upon the Government to launch a special drive for recruitment of Scheduled Caste and Scheduled Tribe judges in the various High Courts as well as in the Supreme Court. Thank you.

RE. LATHICHARGE ON SAMAJWADI PARTY WORKERS AND LEADERS IN BALLIA DISTRICT OF UTTARPRADESH

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में शांति-व्यवस्था के संबंध में और वहां की सरकार के तानाशाही रवैये के बारे में मैं आपके माध्यम से ...(**व्यवधान**)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : किसकी सरकार? गुजराल जी की सरकार के बारे में चर्चा कर रहे है?

श्री ईश दत्त यादव : मैं उत्तर प्रदेश की सरकार के बारे में बात कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI (Kerala): It is for the first time that they arc seeing discussion a State Government. *(Interruptioiisl*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Mr. Yadav has been allowed by the Chair to make his Zero Hour submission.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: What is the subject. Sir?

THE VICE-CHAIRMAN (SH. SANATAN BISI): The subject is: 'Lathicharge on Samajwadi Party workers and leaders in Ballia District of U.P., causing serious injuries..." *(Interruptions)*

SHRI TRILOKI ANTH CHATURVEDI: The House was adjourned yesterday only because of that.

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : कल हाउस एडर्जान हुआ था इसी कारण । ...(**व्यवधान**)...

श्री गोविन्दराम मिरी (मध्य प्रदेश) : कल हाउस एडजार्न हुआ था ...(**व्यवधान**)...

SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI: At least now, some sort of realisation has come to my friends there.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: What sort realisation? *{Interruptions)* We are always self-realised persons. Only you are seeking. From Marx to Lenin, from Lenin to Stalin; ultimately, complete collapse to zero. *{Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप लोग जरा बैठिए ...(**व्यवधान**)...

Just a minute, please. I am looking into the record. ...*{Interruptions)*

If the same matter is there ...*{Interruptions)*

Let us siee the record. ...*{Interruptions)*

.

SHRI ISH DUTT YADAV : Sir, permission has been given to me.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : कल जो डिस्कस हो गया था ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल : महोदय, कल बहुत देर तक यहां लिया डिस्कस हुआ। उपसभापति के मना करने के बावजूद ये बोले और हाऊस ऐडजॉर्न करना पड़ा ...(**व्यवधान**)... इस तरह सदन का समय बरबाद करने का क्या मतलब है ...(**व्यवधान**)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : असल में हमारे ईश दत्त जी को मायावती फोबिया है...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल : कल ये इसी इशू पर बोल चुके है ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : मैं रिकॉर्ड देख रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

Moreover, this has been allowed. *{Interruptions).* This has been allowed. .*{Interruptions)*

For that purpose, I am saying that I will go through the record and then I will take a decision. ...*{Interruptions)*

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : जिसके ऊपर कल हाऊस ऐडजॉर्न हुआ ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : प्लीज, आप लोग बैठिए...(**व्यवधान**)... बैठिए आप लोग ...(**व्यवधान**)... आपकी बात मैं समझ रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप हमारे एक साथी को उसके साथ एसोसिएट करने का मौका दीजिए ...(**व्यवधान**)... अगर आप एक साथी को ऐसोसिएट करने का मौका देंगे तो हम बैठ जाएंगे।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : ठीक है, दे दूंगा, There is no problem. प्लीज आप लोग बैठिए ...(**व्यवधान**)... Please cooperate.

श्री गांधी आजाद (उत्तर प्रदेश) : अगर उनको एलाऊ किया जाता है तो हमको भी जवाब देने का मौका दिया जाए...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Sure, you will be allowed

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI) : Sure, you will be allowed.

यादव जी, थोड़ा शॉर्ट में बोलिए जो आपकी नॉलेज में है वही बोलिए। रिपीट मत किजिए। जो नया है वह बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर, मैं अपनी नॉलेज के बाहर कुछ नही कहूंगा। माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय चतुर्वेदी जी से और भारतीय जनता पार्टी के हमारे सम्मानित सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SH SANATAN BISI) : Mr, Yadav, you address the Chair.

श्री ईश दत्त यादव : मैं आपके माध्यम से इनसे निवेदन कर रहा हूं और मैं जो कहने जा रहा हूं यह इनकी भी व्यथा है, ये भी दुःखी है...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप अपनी बात बोलिए ना।

श्री ईश दत्त यादव : महोदय, मैं वहीं बात कहने जा रहा हूं। घटना यह है कि उत्तर प्रदेश में एक बलिया जिला है। यहां के रहने वाले हमारे एक नेता जो पहले मंत्री भी रहे है श्री शारदा नंद अंचटन, उनके नेतृत्व में 4 अगस्त को 11 बजे से शांतिमय ढ़ंग से अहिंसात्मक ढ़ंग से , और गांधीवादी तरीके से, वहां एक थाना है भीमपुरा जिसको क्रीड़ापुर भी कहते है, उस थाने से 200 मीटर की दूरी पर कई हजार लोग धरने पर बैठे हुए थे और धरना इस बात को लेकर था कि वहां की पुलिस ने कुछ लोगों को हरिजन ऐक्ट के मुकदमे में झूठा फंसाया था, कुछ महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया था ...(**व्यवधान**)...

THE VICE CHAIRMAN (SH. SANATAN BISI): As I have already stated, after his submission is over, you will get a chance to speak.

Mr. Yadav, you address the Chair.

श्री ईश दत्त यादव : अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम के अन्तर्गत इन लोगों को फर्जी फंसाया गया है।

प्रो0राम बख्श सिंह वर्मा (उत्तर प्रदेश) **:** यह कैसे आप कह सकते है कि फर्जी फंसाया गया है

श्री ईश दत्त यादव : वहां महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया है। ...(**व्यवधान**)... आप लोग जरा शांति से सुनिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप बोलिए न, शांति का काम मेरा है।

श्री ईश दत्त यादव : कोई विश्व हिन्दु जागरण मंच है। उसके लिए वहां की पुलिस चंदा इकट्ठा कर रही थी। इसके विरोध में यह लोग धरने पर बैठे हुए थे और शांतिमय ढ़ंग से धरने पर बैठे हुए थे। कुछ लोगों के भाषण भी हो रहे थे और 11 बजे से यह धरना चल रहा था। करीब साढ़े चार बजे भीमपुरा के थानाध्यक्ष, पुलिस और कुछ गुंडे लोग, असामाजिक तत्व एकाएक उस धरना स्थल पर आए गए और इन लोगों ने लाठी चार्ज करना शुरू कर दिया जिसमें सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल हुए, कुछ महिलाएं घायल हुई और कुछ बच्चे भी घायल हुए। इन लोगों की 500-600 साईकिलें भी पुलिस के लोग और यह असामाजिक तत्व उठाकर ले गए। स्थिति अत्यन्त गंभीर हो गई। वहां पर मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे, डिप्टी एस0पी0 भी मौजूद थे, एडिशनल एस0पी0 भी मौजूद थे। लेकिन पुलिस ने किसी से परमिशन नही लिया और अंधाधुंध लाठी चलाई जिसमें शारदा नन्द/अंचटन जो एक्स मिनिस्टर है और सैकड़ों लोग, महिलाएं, बच्चे, पुरुष और वृद्ध सभी लोग बुरी तरह से घायल हो गए। मैं यह कहना चाहता हूं कि प्रशासन ने, सरकार ने, जिला एडमिनिस्ट्रेशन ने इनकी गुहार पर, इनके निवेदन पर कोई ध्यान नही दिया तथा पुलिस के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की।

THE VICE CHAIRMAN (SH. SANATAN BISI): Very good. We have got your point.

SHRI ISH DUTT YADAV: I have to make some more points. Please give me some more time.

मैं निवेदन कर रहा था सर, ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : यहां तो सबको चांस मिलता है।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात) **:** यादव जी, वहां धरने पर बच्चे क्यों गए?

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : इनसे क्यों पूछ रहे हैं, अपने टाईम में बोलें आप।

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर, मैं दो मिनट से ज्यादा समय नही लूंगा।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : अब हो तो गया आपका।

श्री ईश दत्त यादव : मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से और गृह मंत्री से मांग कर रहा हूं कि तत्काल हस्तक्षेप करें। समाजवादी पार्टी के लोगों पर प्रतिशोध और राजनीतिक द्वेष के कारण हमला किया जा रहा है, हजारों बेगुनाह समाजवादी पार्टी के लोगों को जेल में डाल दिया गया है। सैकड़ों लोगों की हत्या की गई है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आपका हो गया; बैठिए न।

श्री ईश दत्त यादव : मैं बैठूंगा नही उपसभाध्यक्ष महोदय, अभी पूरा नही हुआ है।

महोदय, आपके माध्यम से मैं कह रहा हूं कि उत्तर प्रदेश के जो पुलिस अधिकारी है, चाहे प्रशासनिक अधिकारी है सब उसमें लगा दिए गए हैं शाहू जी महाराज का मेला लगाने के लिए, बाबा अम्बेडकर का मेला लगाने के लिए। जनता का शोषण किया जा रहा है, उनकी गाडियां जब्त की जा रही है। उनसे नाजायज पैसा वसूल किया जा रहा है। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आपका पोइंट हो गया है। ...**(व्यवधान)**... यादव जी, आप इधर बोलिए।

श्री ईश दत्त यादव : मेरा पोइंट हो गया है, मान्यवर, समाप्त कर रहा हूं। हमारी बात से यह लोग सहमत होंगे कि आज उत्तर प्रदेश के अंदर अराजकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से इस माननीय सदन का, भारत सरकार का और गृह मंत्री का ध्यान आकर्षित कर रहा हूं कि उत्तर प्रदेश की बिगड़ती हुई कानून-व्यवस्था की स्थिति पर तुरन्त हस्तक्षेप करें और यह लोग बहुत मांग करते है और मैं भी मांग करता हूं कि ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आपकी बात हो गई।

श्री ईश दत्त यादव : मैं मांग कर रहा हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार को एक मिनट भी रहने नही देना चाहिए और आर्टिकिल-356 का प्रयोग किया जाए।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आपका हो गया, प्लीज टेक योर सीट।

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर, मैं आपकी आज्ञा मान रहा हूं, मैं कोआपरेट कर रहा हूं मान्यवर, मैं अंतिम बात कह रहा हूं। उत्तर प्रदेश की वर्तमान मुख्य मंत्री जो ज्यादती कर रही है उससे भारतीय जनता पार्टी के लोग क्या पीडित नही है, वे अपने हृदय पर हाथ रखकर गवाही देंगे और मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की स्थिति सुधरे, लॉ एंड आर्डर सुधरे, इसमें सहयोग करिए। बहुत-बहुत धन्यवाद आपने मुझे टाईम दिया।

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI : Sir, I have only to remind Shri Ish Dutt Yadav.

मैं खाली उनको स्मरण दिला रही हूं कि होम मिनिस्टर साहब, इन्हीं शाहूजी महाराज के बारे में इतनी तारीफ कर रहे थे कि मैं सांगली गया था। ...**(व्यवधान)**...

डाक्टर अम्बेडकर के बारे में हम लोग ...**(व्यवधान)**... उसमें क्या खराबी है? ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : यादव जी, आप बैठिए। अब मैंने आपको अलाऊ नही किया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री ईश दत्त यादव : साहू जी महाराज की जयंति मनाने के लिए ...**(व्यवधान)**... मैं साहू जी महाराज के विरूद्ध नही हूं। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : यादव जी, आप बैठिए न। आप अपनी बात कह चुके है। आप बैठ जाइए।...**(व्यवधान)**...

श्री शिवचरण सिंह : सरकार का कर्त्तव्य हो जाता है ...**(व्यवधान)**... चाहे अम्बेडकर हो या कोई और हो। ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप एक-एक आदमी करके बोलिए। राम बख्श सिंह जी, आप बोलिए, आप क्या कह रहे हैं? ...**(व्यवधान)**...

प्रो0 राम बक्श सिंह वर्मा : मैं उत्तर प्रदेश से आता हूं। जो हमारे माननीय सांसद ईश दत्त यादव जी ने कहा है।...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप अपना प्वाइंट बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

प्रो0 राम बक्श सिंह वर्मा : मैं अपनी बात कह रहा हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जिन अंचटन जी का आपने जिक्र किया है, अंचटन जी वही भूतपूर्व मंत्री है जिन्होंने विधान सभा के अंदर विधायकों की पिटाई की थी और जहां तक उत्तर प्रदेश की वर्तमान मुख्य मंत्री की बात है, जिनका जिक्र बार-बार हमारे विद्वान साथी ने किया है – उन्हीं का सहारा लेकर हमारे रक्षा मंत्री महोदय ने काफी दिन तक उत्तर प्रदेश में शासन किया। यह उनकी सौबत में आकर हो सकता है कि कहीं

थोड़ा-बहुत हो गया क्योंकि सुश्री मायावती जी ने जो कुछ भी सीखा है, वह मुलायम सिंह यादव जी से ही सीखा है। इसके अतिरिक्त पुलिस प्रशासन की जहां तक बात है, यह पुलिस प्रशासन पहले पूर्व मुख्य मंत्री माननीय मुलायम सिंह जी के इशारे पर इसी तरह से नागरिकों की पिटाई करता था, निर्दोष लोगों की पिटाई करता था और उस समय यह लोग बडी तारीफ किया करते थे। आज जो उत्तर प्रदेश का पुलिस प्रशासन है, उसमें कुछ ऐसे लोग हो सकते है जो पहले से सीखे हुए हैं। माननीय मुलायम सिंह जी के जमाने के है। हो सकता है कि उसे थोड़ा सा दोहरा देते हों। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप अपनी बात बोलिए।...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम बक्श सिंह वर्मा : बाकी इस समय उत्तर प्रदेश का शासन जो है, वह बिल्कुल ठीक चल रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री ईश दत्त यादव : महोदय, वहां ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : यादव जी, आप बैठ जाइए।...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम बक्श सिंह वर्मा : वहां लॉ एंड ऑर्डर बिल्कुल ठीक है।...(**व्यवधान**)... वहां पर शासन व्यवस्था...(**व्यवधान**)...

श्री ईश दत्त यादव : वहां पर शासन ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : यादव जी, आप बैठ जाइए। प्लीज़ टेक युअर सीट। आप अपनी बात कह चुके है। ...(**व्यवधान**)...

प्रो0 राम बक्श सिंह वर्मा : वर्तमान में उत्तर प्रदेश की शासन और व्यवस्था पूर्ण रूप से ठीक चल रही है और वहां पर शांति व्यवस्था कहीं पर भी भंग नही हो रही है। यहीं मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। धन्यवाद।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : श्री ई0 बाला नन्दन ...(**व्यवधान**)... अब आप लोग बोल चुके है। ...(**व्यवधान**)... गांधी आजाद जी जो आपका प्वाइंट है, वह जल्दी से कह दीजिए।

श्री गांधी आजाद : महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में जो ब0स0पा0 और भा0ज0पा0 की सरकार चल रही है, एक टाइम बाउंड प्रोग्राम चलाकर वह गुंडाइजम को खत्म करने का प्रयास कर रही है। उन गुंडों को खत्म करने या उनको जेल में डालने की या उनको प्रताडित करने की कार्यवाही प्रशासन द्वारा की जा रही है, अगर स0पा0 के सारे कार्यकर्त्ता गुंडे है तो हमारा इसमें क्या दोष है। इसके अतिरिक्त मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं कि बहुजन समाजवादी पार्टी समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित समाज की संरचना करना चाहती है। समाजवादी पार्टी की तरह वह कोई हल्ला-बोल कार्यक्रम नही करना चाहते है। यह लोग हल्ला-बोल कार्यक्रम नही करना चाहते है। यह लोग हल्ला-बोल कार्यक्रम करके हर न्यायप्रिय पर हल्ला-बोल कर अत्याचार करना चाहते है। महोदय, मैं आपको एक मिसाल देना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में अभी बनारस में इन्हीं के दो गुंडे आपस में लड़कर मरे, आपस मे उन्होंने गोलीबारी की और माननीय रक्षा मंत्री उनकी गुहार करने गए थे। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप ऐसा मत बोलिए। रक्षा मंत्री जी के बारे में आप मत बोलिए क्योंकि ही इज़ नॉट प्रेज़ेंट। आपका जो प्वाइंट है, उस पर बोलिए।

श्री गांधी आजाद : महोदय, मेरे कहने का मतलब है कि उत्तर प्रदेश की सरकार बहुत अच्छी और न्यायप्रिय सरकार है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : ठीक है, अब आप बैठिए।...(**व्यवधान**)...

श्री गांधी आज़ाद : इन्होंने कहीं भी अत्याचार नही किया।...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) :अब आपने अपनी बात कह दी है। प्लीज़ टेक युअर सीट।

श्री गांधी आज़ाद : महोदय, आपने मुझे समय दिया। इसके लिए धन्यवाद।

RE: PUGHT OF WORKERS AND THEIR FAMILIES DUE TO CLOSING DOWN OF 1,200 FACTORIES IN DELHI

SHRI E. BALANANDAN (KERALA): Mr. Vice-chairman, Sir, I wish to raise an issue of the horrible {dight of nearly 2 lakh workers and their families in the capital who have been rendered jobksc and reduced to peaury, ttarvation, fcrilowing the order of the h«KNiraUe Supreme Court for cloung or re-locatiflg 1,200 fact<Mies cm the ground <rf pollution